३. श्रम साधना

सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :
उत्तर लिखिये :
१. व्यापारी और उद्योगपतियों के लिए अर्थशास्त्र द्वारा बनाए गए नए नियम--
१. व्यापारी और उद्योगपतियों के लिए अर्थशास्त्र द्वारा नया नियम बताया गया है की खरीद सस्ती-से-सस्ती हो और बिक्री महंगी-से-महंगी । मुनाफे की कोई मर्यादा नहीं । जो कारखाना मजदूरों के शरीर श्रम के बिना चल ही नहीं सकता उसके मजदूर को हजार-पांचसौ तथा व्य- स्थापकों और पूंजी लगाने वालों को हजारों लाखों का मिलना गलत नहीं माना जाता ।

२. संपत्ति के दो मुख्य साधन--संपत्ति के मुख्य साधन दो है -
१) सृष्टि के द्रव्य,
२) मनुष्य का शरीर श्रम

३. समाप्त हुईं दो प्रथाएं --
जो दो प्रथाएं समाप्त हो गई वे है गुलामी की प्रथा और राज प्रथा ।

४. कल्याणकारी राज्य का अर्थ-
कल्याणकारी राज्य का अर्थ यह समझा जाता है कि सब तरह के दुर्बलों को राज्यसत्ता द्वारा मदद मिले अर्थात बड़े पैमाने पर कर वसूल करके उससे गरीबों को सहारा दिया जाए|

(२) कृति पूर्ण कीजिए:
गांधीजी द्वारा शोषण तथा अशांति मिटाने के लिए बताए गए सूत्र
उत्तर: १)-पेट भरने के लिए हाथ पैर (चलाना)
- चार घंटे शरीर श्रम
२) - ज्ञान प्राप्त करने और ज्ञान देने के लिए बुद्धि (का उपयोग)
- चार घंटे बुद्धि काम

(३) तुलना कीजिए:

बुद्धिजीवी	श्रमजीवी
१. बुद्धि काम करना।	१. शारीरिक श्रम करना।
२. अधिक आमदनी, प्रतिष्ठित एवं सुखमय जीवन।	२. आमदनी कम, प्रतिष्ठा नहीं, कष्टमय जीवन।

(४) लिखिए:
(१) दान से ये कार्य होते हैं -
उत्तर: १) अस्पताल
२) विद्यालय

(२) व्यापार की कला से प्राप्त होती है -
उत्तर: १) विद्यालयों से
२) अपने साथियों एवं समाज से

(५) पाठ में प्रयुक्त इक प्रत्ययुक्त शब्दों को ढूंढकर लिखिए तथा उनमें से किन्हीं चार का स्वतंत्र वाक्यों में प्रयोग कीजिए।
उत्तर :
(i) आर्थिक
(ii) प्राकृतिक
(iii) श्रमिक
(iv) सामाजिक
(v) प्राथमिक
(vi) बौद्धिक

(i) आर्थिक : किसानों की आर्थिक दशा सुधारने के लिए कुछ करो।
(ii) प्राकृतिक : कश्मीर की घाटी प्राकृतिक दृश्यों से भरी पड़ी है।
(iii) श्रमिक : कारखाने में काम करने वाले श्रमिक का काम बहुत मेहनत का होता है।
(iv) सामाजिक : मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है।
(v) प्राथमिक : घायल व्यक्ति को तुरंत प्राथमिक चिकित्सा की जरूरत होती है।
(vi) बौद्धिक : हर व्यक्ति की बौद्धिक क्षमता भिन्न-भिन्न होती है।

(६) पाठ में कुछ ऐसे शब्द हैं, जिनके विलोम शब्द भी पाठ में ही प्रयुक्त हुए हैं। ऐसे शब्द ढूँढकर लिखिए ।
उत्तर:
१) हाड़ × माँस
२) प्रत्यक्ष × अप्रत्यक्ष
३) देश ×विदेश
४) हाथ × पैर
५) स्वार्थ × परार्थ
६) अमीर × गरीब

'समाज परोपकार वृत्ति के बल पर ही ऊँचा उठ सकता है'-इस कथन से संबंधित अपने विचार 25 से 30 शब्दों में लिखिए।
उत्तर : हमारे शास्त्रों में परोपकार को बहुत महत्त्व दिया गया है। पेड़ों में फल लगना, नदियों के जल का बहना परोपकार का ही एक रूप है। इसी तरह सज्जन व्यक्तियों की संपत्ति और इस शरीर को भी परोपकार में लगा देने के लिए कहा गया है। हमारे समाज में गरीब-अमीर हर प्रकार के व्यक्ति होते हैं। अनेक लोग ऐसे हैं जिन्हें भरपेट भोजन भी नहीं मिलता और कुछ लोग ऐसे हैं, जिनके पास इतनी संपत्ति है कि उन्हें स्वयं इसकी पूरी जानकारी नहीं है। मनुष्य में परोपकार की प्रवृत्ति जन्मजात होती है। प्यासे को पानी पिलाना और किसी भूखे को खाना खिला देना कौन नहीं चाहता। यही परोपकार भावना है। हमारे देश में अनेक अस्पताल, अनेक शिक्षा संस्थाएँ परोपकार करने वाले लोगों के धन से चल रही हैं। समाज के कमजोर वर्ग के लिए तरह-तरह की संस्थाएँ काम कर रही हैं। इनका संचालन दान अथवा सहायता के रूप में प्राप्त धन से हो रहा है। हर युग समाज के उत्थान के लिए परोपकारियों का सहयोग प्राप्त होता रहा है। यह सहयोग इसी तरह मिलता रहना चाहिए तभी हमारे समाज का उत्थान होगा।